भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 4246
20 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

टीबी के दोबारा होने के मामले

4246. श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालू:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षा के दौरान वर्षवार टीबी के कुल कितने मामले सामने आए हैं;
(ख) उक्त अवधि के दौरान वर्षवार कितने व्यक्ति उक्त रोग से मुक्त हो गए;
(ग) क्या उक्त अवधि के दौरान वर्षवार टीबी से मुक्त होने के बाद भी लोगों में उक्त रोग होने का पता चला है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) देश में टीबी के दोवारा होने के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए की गई पहलों का ब्यौरा क्या है; और
(ङ) टीबी उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना में यथा परिकल्पित, वर्ष 2025 तक भारत में टीबी के उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वय तंत्र का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष में रिपोर्ट किए गए क्षय रोग के कुल मामलों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	2019 (जनवरी-दिसंबर)	2020 (जनवरी-दिसंबर)	2021 (जनवरी-दिसंबर)	2022 (जनवरी-दिसंबर)	2023 (जनवरी-दिसंबर)	2024* (जनवरी-दिसंबर)
रिपोर्ट किए गए टीबी मामलों की कुल संख्या	24,04,815	18,05,670	21,35,830	24,22,121	25,52,257	21,69,438
* दिनांक 19 नवंबर, 2024 की स्थिति के अनुसार डेटा स्रोत: नि-क्षय						

(ख): विगत पांच वर्षों तथा चालू वर्ष में उपचार से ठीक हुए व्यक्तियों/पूरा उपचार लेने वाले व्यक्तियों की संख्या का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

वर्ष	2019 (जनवरी-दिसंबर)	2020 (जनवरी-दिसंबर)	2021 (जनवरी-दिसंबर)	2022 (जनवरी-दिसंबर)	2023 (जनवरी-दिसंबर)	2024 (जनवरी-दिसंबर)
उपचार से ठीक हुए व्यक्तियों/पूरा उपचार लेने वालों की संख्या*	16,65,016	19,05,920	14,51,867	17,79,602	20,66,386	18,15,198
*स्तंभ शीर्षक में वर्ष पिछले वर्ष में अधिसूचित रोगियों के उपचार संबंधी परिणाम को दर्शाता है।						

(ग): संबंधित वर्षों के लिए अधिसूचित टीबी मामलों में से उपचार से ठीक होने वाले/ पूरा उपचार लेने वाले टीबी से निदान पाने वाले व्यक्तियों का विवरण नीचे दिया गया है:

वर्ष	2019 (जनवरी-दिसंबर)	2020 (जनवरी-दिसंबर)	2021 (जनवरी-दिसंबर)	2022 (जनवरी-दिसंबर)	2023 (जनवरी-दिसंबर)	2024 (जनवरी-दिसंबर)
अधिसूचित टीबी मामलों में से ठीक होने/उपचार पूरा होने के बाद टीबी से निदान पाने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत	2.97	3.95	4.84	4.42	4.72	3.79

(घ) और (ङ): राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) को पूरे देश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में लागू किया जाता है। एनएचएम अवसंरचना के तहत, केंद्र और राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के बीच समन्वय तंत्र राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वय समिति के माध्यम से बनाए गए हैं जो राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के वार्षिक प्रस्तावों का मूल्यांकन और अनुशंसा करते हैं। एनएचएम के तहत, केंद्रीय टीमों द्वारा समय-समय पर क्षेत्र का दौरा किया जाता है और केंद्र द्वारा एनएचएम के तहत एनटीईपी सहित सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्षेत्र

कार्यान्वयन पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को व्यापक समीक्षा और फीडबैक प्रदान करने के लिए वार्षिक रूप से सामान्य समीक्षा मिशन आयोजित किए जाते हैं।

टीबी के दोबारा होने वाले मामलों को रोकने सहित टीबी के मामलों और मृत्यु दर में कमी लाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम निम्नानुसार हैं:

- राज्य और जिला विशिष्ट कार्यनीतिक योजनाओं के माध्यम से उच्च टीबी बोझ वाले क्षेत्रों में लक्षित कार्यकलाप।
- टीबी रोगियों को निःशुल्क दवाओं और निदान की व्यवस्था।
- विशेष कमजोर और सह-रुग्ण आबादी में अभियानों के माध्यम से सक्रिय टीबी मामले की खोज।
- टीबी स्क्रीनिंग और उपचार सेवाओं के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर का एकीकरण।
- टीबी मामलों की अधिसूचना और प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी।
- उप-जिला स्तर तक आणविक निदान प्रयोगशालाओं का विस्तार।
- दवा प्रतिरोधी टीबी के लिए सभी मुख से लेने वाले, शीघ्र, अल्प, सुरक्षित और अधिक प्रभावी उपचार की शुरूआत।
- पोषण सहायता के लिए निक्षय पोषण योजना के तहत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रति रोगी 1000 रुपये प्रति माह प्रोत्साहन राशि बढ़ाना।
- निक्षय मित्र पहल के तहत टीबी रोगियों और घरेलू संपर्कों को अतिरिक्त पोषण, नैदानिक और व्यावसायिक सहायता का प्रावधान।
- टीबी रोगियों के संपर्कों और कमज़ोर आबादी को टीबी निवारक उपचार का प्रावधान।
- निक्षय पोर्टल के माध्यम से अधिसूचित टीबी मामलों की ट्रैकिंग
- कलंक को कम करने, सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार लाने के लिए गहन सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) कार्यकलाप।
- टीबी उन्मूलन के लिए संबंधित मंत्रालयों के प्रयासों और संसाधनों का अभिसरण।

*****